2

चालाक हिरन

• कहानी •

दरियाई	कीचड़	मगरमच्छ	मज़ाक	असंख्य	उपहास
पिद्दी	रिश्तेदार	मुस्कराना	इकट्ठे	पंक्ति	छलाँग

जंगल में एक हिरन था। वह बहुत समझदार था। सभी जानवर उसका आदर करते थे। एक दिन हिरन नदी-किनारे पहुँचा। उसने देखा कि दरियाई घोड़ा कीचड़ में लेटा हुआ आराम कर रहा था। एक बूढ़ा मगरमच्छ नदी में तैर रहा था। हिरन को नदी के दूसरे किनारे पर जाना था। वह नदी पार करे तो कैसे? हिरन यही सोच रहा था।

कुछ देर सोचने के बाद उसने मगरमच्छ से कहा, "बूढ़े मगरमच्छ जी! आप कैसे हैं? मुझे आपकी हालत देखकर, आप पर दया आती है।"

हिरन की बात सुन मगरमच्छ को गुस्सा आ गया। उसने अपनी पूँछ पानी में जोर से पटकी और हिरन से पूछा, "क्यों रे ज़रा-से हिरन! तुम्हें मुझ पर दया क्यों आती है?"

शिक्षण संकेत

- पाठ पढ़ाने से पूर्व बच्चों को कहानी का सार बताएँ। उसके बाद बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़वाएँ।
- बच्चों को कहानी से मिलने वाली सीख से परिचित कराएँ।

हिरन ने उसका मज़ाक उड़ाते हुए कहा, ''आपको पूछने वाला तो कोई है ही नहीं। अकेले ही नदी में तैरते रहते हो। मेरे तो असंख्य रिश्तेदार हैं, भाई-बहन हैं, चाचा-ताऊ, मौसा-मामा हैं। कई चचेरे-ममेरे-मौसेरे भाई-बहन हैं। बताओ, आपका कौन है?''

हिरन की उपहास भरी बातें सुनकर मगरमच्छ को गुस्सा आ गया। वह बोला, ''अरे! पिद्दी-से हिरन, तुम्हें मेरे रिश्तेदारों का क्या पता? मेरे भी सैकड़ों रिश्तेदार हैं। यदि वे आ जाएँ, तो यह सारी नदी भर जाएगी।''

हिरन मुस्कराया और बोला, ''मुझे तो आपकी बात पर ज़रा भी विश्वास नहीं है। मेरे रिश्तेदार इकट्ठे होते हैं, तो कितने ही किलोमीटर तक की घास गायब हो जाती है।''

''जब मेरे रिश्तेदार आते हैं, तो सबसे आगे वाले मगरमच्छ को इतनी ज़ोर से बोलना पड़ता है कि कई किलोमीटर दूर तक आवाज़ जा सके, क्योंकि मेरा अंतिम रिश्तेदार कई किलोमीटर पीछे होता है।'' मगरमच्छ ने कहा।

इस तरह दोनों में बहस होने लगी। अंत में हिरन ने कहा, ''अच्छा! अपने रिश्तेदारों को बुला लाओ। मैं उनकी गिनती करके देखूँगा।''

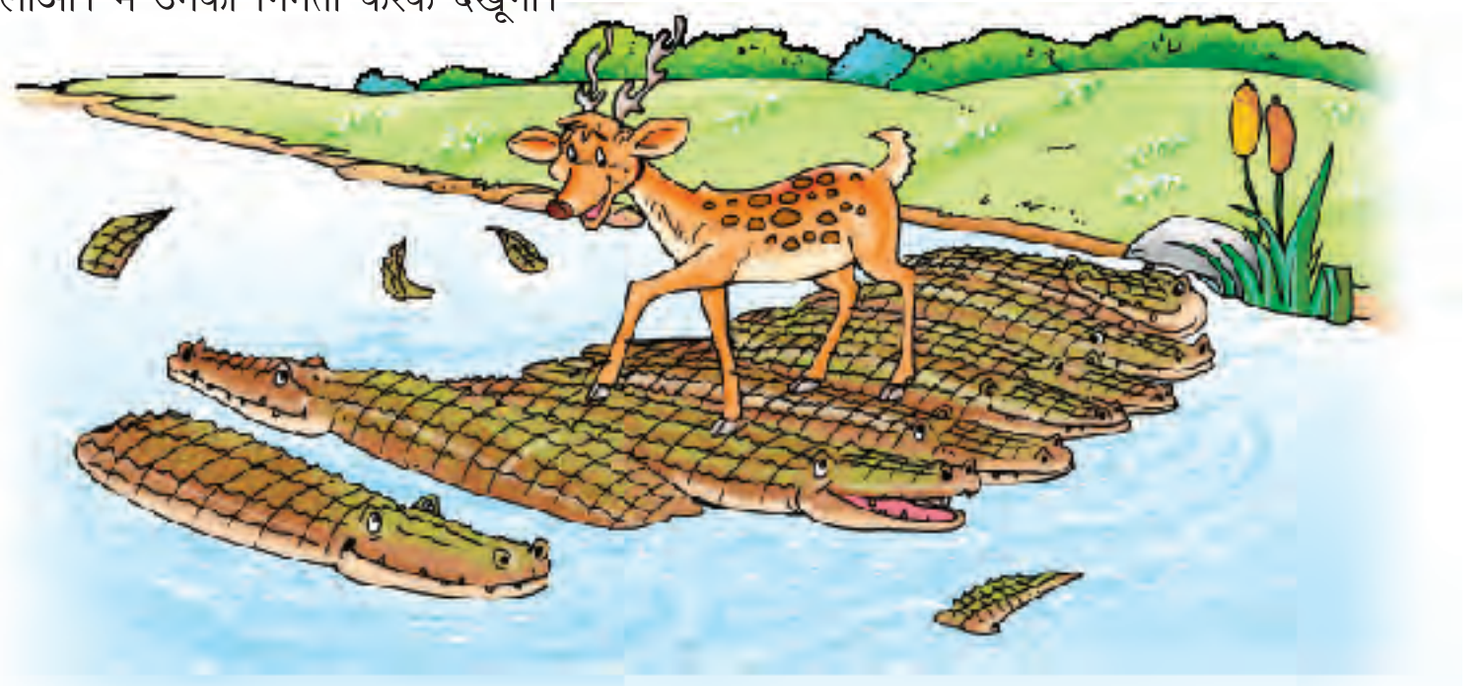

''यह भी कोई कठिन कार्य है। मैं उन्हें अभी लेकर आता हूँ।'' कहकर बूढ़ा मगरमच्छ चला गया। हिरन उसकी प्रतीक्षा करने लगा। कुछ देर बाद उसे मगरमच्छ आता दिखाई दिया। उसके पीछे असंख्य मगरमच्छ आ रहे थे। हिरन ने उन्हें ध्यान से देखा।

हिरन ने बूढ़े मगरमच्छ से कहा, ''यदि तुम्हारे ये सभी रिश्तेदार एक पंक्ति में लग जाएँ, तो मैं आसानी से इन्हें गिन सकूँगा। इन सभी को इस किनारे से उस किनारे तक एक पंक्ति में लगा दो।''

बूढ़े मगरमच्छ ने अन्य सभी मगरमच्छों को नदी के इस किनारे से उस किनारे तक खड़ा कर दिया। हिरन ने पहले मगरमच्छ पर छलाँग लगाकर गिनती शुरू की—एक, दो, तीन, चार,....।

एक के बाद दूसरे मगरमच्छ पर कूदते हुए हिरन नदी के दूसरे किनारे पर पहुँच गया। किनारे पर पहुँचकर हिरन ने बूढ़े मगरमच्छ की ओर मुस्कराकर देखते हुए कहा, "धन्यवाद मूर्ख मगरमच्छ! तुम्हारे कितने रिश्तेदार हैं, इससे मुझे कोई लेना-देना नहीं है। मुझे तो नदी पार करनी थी, सो कर ली। तुम और तुम्हारे ये सारे रिश्तेदार मगरमच्छ एकदम मूर्ख हैं।" इतना कहकर हिरन भाग गया।

बूढ़ा मगरमच्छ और अन्य सभी मगरमच्छ पानी में अपनी-अपनी दुम पटकते रह गए।

शब्दकोश

आदर – सम्मान। **गुस्सा** – क्रोध। **असंख्य** – बहुत अधिक। **उपहास** – हँसी उड़ाना। **पिद्दी** – छोटा जीव। **प्रतीक्षा** – इंतज़ार।

विशेष : **मानक वर्तनी के प्राचीन एवं नवीन रूप**

पिद्दी – पिद्दी	इकट्ठे – इकट्ठे	अन्तिम – अंतिम	पंक्ति – पंक्ति

समग्र एवं सतत अभ्यास Summative and Formative Assessment CCE Based

पाठ बोध

1. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए: समेटिव असेसमेंट

क. जंगल के सभी जानवर हिरन का आदर क्यों करते थे? _____

_____

ख. हिरन ने बूढ़े मगरमच्छ को कैसे गुस्सा दिलाया? _____

_____

ग. बूढ़ा मगरमच्छ अन्य मगरमच्छों को क्यों लाया था? _____

_____

घ. हिरन ने मगरमच्छों को पंक्ति में लगाने के लिए क्यों कहा? _____

_____

2. सही विकल्प के आगे ✓ लगाकर वाक्य पूरे कीजिए:

क. जंगल में एक _____ हिरन था।

ख. आपको _____ जो कोई नहीं है।

ग. मैं उनकी _____ करके देखूँगा।

घ. उसके पीछे _____ मगरमच्छ आ रहे थे।

ङ. मुझे तो _____ पार करनी थी।

MCQs

मूर्ख	☐	समझदार	☐
पूछने वाला	☐	जानने वाला	☐
पिटाई	☐	गिनती	☐
पाँच	☐	असंख्य	☐
नदी	☐	दीवार	☐

3. ये वाक्य किसने, किससे कहे?

क. "मुझे आपकी हालत देखकर, आप पर दया आती है?" _____

ख. "अरे! ज़रा-से पिद्दी हिरन, तुम्हें मेरे रिश्तेदारों का क्या पता? वे सब आ जाएँ तो यह सारी नदी भर जाएगी।" _____

ग. "अच्छा! अपने रिश्तेदारों को बुला लाओ। मैं उनकी गिनती करके देखूँगा।" _____

भाषा एवं व्याकरण

1. वर्तनी शुद्ध करके लिखिए:

भहस – _____	परिक्षा – _____	दोखा – _____	पूछ – _____
हिरण – _____	गास – _____	मगरमछ – _____	दरिआई – _____

2. वचन बदलकर लिखिए:

नदी – _____	नारी – _____	साड़ी – _____	बूढ़ी – _____
कपड़ा – _____	बच्चा – _____	घोड़ा – _____	चचेरा – _____

3. लिंग बदलकर लिखिए:

मौसा – _____	दादा – _____	नाना – _____	चाचा – _____
फूफा – _____	देवर – _____	जेठ – _____	पौत्र – _____

4. अनुच्छेद से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए:

हिरन की उपहास भरी बात सुनकर मगरमच्छ का गुस्सा और बढ़ गया। वह बोला, "अरे! ज़रा-से पिद्दी हिरन, तुम्हें मेरे रिश्तेदारों का क्या पता? मेरे सैकड़ों रिश्तेदार हैं। यदि वे सब आ जाएँ, तो यह सारी नदी भर जाएगी।"

रचनात्मक अभ्यास

फॉरमेटिव असेसमेंट

1. मौखिक उत्तर दीजिए:

क. हिरन ने नदी-किनारे पहुँचकर क्या देखा?

ख. हिरन ने मगरमच्छ को अपने किन-किन रिश्तेदारों के विषय में बताया?

ग. सबसे आगे वाले मगरमच्छ को ज़ोर से क्यों बोलना पड़ता था?

घ. हिरन ने असंख्य मगरमच्छ देखकर क्या कहा?

ङ. दूसरे किनारे पर पहुँचकर हिरन ने बूढ़े मगरमच्छ से क्या कहा?

2. हिरन, कौआ और चूहे की कहानी अपने शब्दों में लिखिए।

3. पाँच जलीय जानवरों के चित्र एकत्र कर खाली स्थान पर लगाइए: